भारत सरकार

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय

औषध विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4232

दिनांक 20 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

भेषज क्षेत्र में स्टार्टअप्स

4232. श्री सनातन पांडेयः

श्री चन्द्र प्रकाश चौधरीः

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश के भेषज क्षेत्र में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजना लागू कर रही है;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान देश के भेषज क्षेत्र में स्टार्टअप्स के माध्यम से कुल कितने नए उद्योग स्थापित हुए हैं;

(ग) क्या सरकार उक्त उद्योगों की स्थापना के लिए कोई वित्तीय सहायता प्रदान करती है;

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इन स्टार्टअप्स के माध्यम से स्थापित उद्योगों को कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई है; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश और झारखंड में भेषज क्षेत्र में कुल कितने नए उद्योग स्थापित हुए हैं?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क): जी, हां। भारत सरकार ने औषध क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं, जिनमें *अन्य बातों के साथ-साथ* निम्नलिखित शामिल हैं:-

16 जनवरी, 2016 को शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया पहल का उद्देश्य औषध क्षेत्र सहित विभिन्न उद्योगों में नवाचार को बढ़ावा देना और निवेश को प्रोत्साहित करना है। इस पहल में तीन प्रमुख योजनाएं शामिल हैं - फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स (एफएफएस), स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) और क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स (सीजीएसएस)।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) जैव प्रौद्योगिकी इग्निशन अनुदान (बीआईजी), सतत उद्यमिता और उद्यम विकास (एसईईडी), और उद्यमशीलता प्रेरित किफायती उत्पाद (एलईएपी) योजनाओं जैसी पहल के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करती है। प्रत्येक स्टार्टअप के लिए 30 लाख

रुपये से लेकर 100 लाख रुपये तक का वित्तपोषण दिया जाता है, जिससे उन्हें अपने विचारों को परिष्कृत करने, अवधारणाओं का प्रमाण स्थापित करने, प्रयोगीकरण और अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण करने में मदद मिलती है। बीआईआरएसी आई4 कार्यक्रम और पीएसीई कार्यक्रम के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी में नवाचार और अनुसंधान को भी बढ़ावा देता है।

इसके अलावा, औषध विभाग ने फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार के संवर्धन संबंधी एक योजना (पीआरआईपी) शुरू की है। पीआरआईपी योजना के घटक बी-III के तहत, पहचाने गए छह प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में 125 अनुसंधान परियोजनाओं में से 50 इस क्षेत्र में स्टार्टअप के लिए हैं।

(ख): पिछले तीन कैलेंडर वर्षों (अर्थात 2021 से 2023) के दौरान औषध क्षेत्र में कुल 1,397 डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप स्थापित किए गए थे।

(ग) और (घ): एसआईएसएफएस इनक्यूबेटरों के माध्यम से सीड स्टेज स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। 31 अक्टूबर, 2024 की स्थिति के अनुसार चयनित इनक्यूबेटरों ने इस योजना के तहत औषध क्षेत्र में 14 स्टार्टअप को 2.9 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 78 स्टार्टअप को 14.23 करोड़ रुपये के कुल वित्तपोषण को मंजूरी दी है। उद्यम पूंजी निवेश को उत्प्रेरित करने के लिए एफएफएस की स्थापना की गई है और इसका संचालन भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा किया जाता है, जो सेबी-पंजीकृत वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) को पूंजी प्रदान करता है, जो बदले में स्टार्टअप में निवेश करते हैं। 31 अक्टूबर 2024 की स्थिति के अनुसार, चयनित एआईएफ ने स्वास्थ्य सेवा/ स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 115 स्टार्टअप में लगभग 2,455.9 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सीजीएसएस को पात्र वित्तीय संस्थानों के माध्यम से डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को जमानत मुक्त ऋण उपलब्ध कराने के लिए क्रियान्वित किया गया है। सीजीएसएस का संचालन राष्ट्रीय ऋण गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है और यह 1 अप्रैल 2023 से प्रायोगिक आधार पर चालू हो गया है। 31 अक्टूबर 2024 की स्थिति के अनुसार, इस योजना के तहत औषध और जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में पात्र मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को 4.23 करोड़ रुपये की राशि के कुल 5 ऋणों और स्वास्थ्य सेवा उपकरण और आपूर्ति क्षेत्र में 7 करोड़ रुपये की राशि के 2 ऋणों की गारंटी दी गई है। ये पहल भारत में एक सशक्त स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

(ङ): पिछले तीन कैलेंडर वर्षों (अर्थात 2021 से 2023) में, डीपीआईआईटी ने औषध क्षेत्र में उत्तर प्रदेश राज्य में 159 स्टार्टअप और झारखंड राज्य में 8 स्टार्टअप को मान्यता प्रदान की है।

*****